**भारत सरकार**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 77**
**22 नवम्बर, 2011 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**तम्बाकू से संबंधित बीमारियों का इलाज**

77. **प्रो॰ अनिल कुमार साहनी:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तम्बाकू से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए कोई नीति/कार्यक्रम तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इस पर कितनी धनराशि खर्च की गई है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद)**

(क) और (ख): तम्बाकू उत्पादों के सेवन से शरीर के लगभग प्रत्येक अंग को क्षति पहुँचती है, जिससे सामान्यतया अनेक रोग उत्पन्न होते हैं तथा तम्बाकू उपभोक्ता के स्वास्थ्य में गिरावट आती है। ऐसा कहने के लिए पर्याप्त साक्ष्य है कि तम्बाकू उत्पादों के उपभोग से रोग उत्पन्न होते हैं जैसे कि कोरोनरी हृदय रोग, आघात एवं सबक्लिनिकल एथरोस्क्लेरोसिस, श्वसनी रोग जैसे कि चिरकालिक अवरूद्ध पलमोनरी–रोग तथा निमोनिया प्रतिकूल प्रजनन प्रभाव एवं विभिन्न अंगों के कैंसर जैसे कि फेफड़े, मुख गुहा, आमाशय, गुरदा, ब्लाडर इत्यादि।

इन रोगों कू उपचार के लिए कोई अलग नीति नहीं है। तथापि, इनमें से कुछ रोगों के उपचार/नियंत्रण के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जा रहा है जो निम्नवत है :–

1. "सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन निषेध तथा व्यापार एवं वाणिज्य उत्पादन, प्रदाय, वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003" के अंतर्गत तम्बाकू

उत्पादों के उत्पादन तथा आपूर्ति में कमी लाने के लिए तथा इनके अन्तर्गत बने उपबंधों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए तथा तम्बाकू मुक्ति केन्द्र के जरिए तम्बाकू सेवन को छोड़ने में लोगों को सहायता करने हेतु तम्बाकू उपभोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम।

2. 21 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 100 जिलों में राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम (एन पी सी डी सी एस) कार्यान्वयनाधीन है। इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं :

(i) स्वास्थ्य शिक्षा और मॉस मीडिया प्रयासों के जरिए **स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना।**

(ii) किसी भी स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्र, चाहे वह गाँव , समुदाय, स्वास्थ्य केन्द्र जिला अस्पताल तृतीयक परिचर्या अस्पताल आदि हों, में प्राथमिक संपर्क के किसी स्थल पर 30 वर्ष की आयु से अधिक आयु के व्यक्ति की **किसी भी अवसर पर** जांच करना।

(iii) चुनिंदा जिलों में एन सी डी ( कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात) की जांच निदान और उपचार (आहार संबंधी परामर्श, जीवनशैली प्रबंधन सहित) के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सी एच सी) और जिला अस्पताल **में 'एन सी डी क्लीनिक'**

(ग) भारत में तम्बाकू नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट, 2004 के अनुसार, तम्बाकू संबंधी तीन मुख्य रोगों अर्थात कैंसर, हृदवहिका रोगों और फेफड़े संबंधी रोगों की कुल अनुमानित अप्रत्यक्ष लागत का अनुमान वर्ष 2002–2003 में लगभग 308.33 बिलियन था।

विभिन्न अस्पतालों द्वारा व्यय की गई लागत के अतिरिक्त वर्ष 2010–11 के दौरान उस पर व्यय की गई धनराशि एन पी सी डी सी एस के अंतर्गत 38.03 करोड़ रूपए और एन टी सी पी के अंतर्गत 29.32 करोड़ रूपए थी।

.....